सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

प्रेमी, पागल, और कवि एक ही चीज से बने होते हैं।

-भगत सिंह

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 310 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 17 दिसम्बर, 2021

आंदोलन में सहयोग करने वाले किसानों... 7 | पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक... 3 | नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता... 8

भाजपा ने जनता को दी दिक्कत किल्लत और जिल्लत : अखिलेश

रायबरेली में सपा प्रमुख ने प्रदेश सरकार पर चुन-चुनकर किये वार

» किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी, बेरोजगारों को नहीं मिला रोजगार

» बस झूठे वादे करती है भाजपा, शिक्षा व्यवस्था भी हुई चौपट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर जमकर हमला किया। उन्होंने रायबरेली के बछरावां में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव उत्तर प्रदेश का भविष्य तय करेगा। जब से भाजपा की सरकार आयी है जनता परेशान है। इस सरकार ने जनता को दिक्कत दी, किल्लत दी और जिसने उसके खिलाफ आवाज उठायी उसे जिल्लत दी।

उन्होंने कहा कि किसानों को खाद नहीं मिली। धान की सही कीमत नहीं मिली। नौजवानों को नौकरी नहीं मिली। कोरोना काल में जब बेड, ऑक्सीजन और दवा की जरूरत थी जनता को यह उपलब्ध नहीं हुई। श्मशान में कतारें लगी रहीं। यह सरकार दाह संस्कार के लिए लकड़ी तक उपलब्ध नहीं करा पायी और अब सरकार कह रही है कि ऑक्सीजन की कमी से किसी की जान नहीं गयी। उन्होंने कहा कि जैसे ही चुनाव आया भाजपा ने धर्म का चश्मा लगा लिया है। पेट्रोल की कीमत सौ के पार हो गयी है। रसोई गैस और डीजल महंगा हो गया है।

भाजपा ने दावा किया था कि चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज पर बैठेगा लेकिन जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है उससे कौन हवाई जहाज पर बैठ पाएगा। महंगाई के कारण व्यापारियों की कमाई आधी हो चुकी है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है। तमाम शिक्षकों की कोरोना के कारण जान चली गयी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिनकी जान कोरोना से गई है उसकी सरकार आर्थिक मदद करे लेकिन यह सरकार किसी की मदद नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि ये सरकार झूठों की सरकार है। इनके विकास के विज्ञापन झूठे है। इन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया लेकिन क्या आय दोगुनी हुई। नौजवानों को नौकरी नहीं मिली है। बेरोजगारी बढ़ी है। रायबरेली एम्स के लिए जमीन सपा सरकार में दी गयी। इसके लिए सपा सरकार ने कोई कीमत नहीं ली। सपा सरकार में लैपटॉप बांटे गए। साढ़े चार साल से बाबा मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि लैपटॉप, स्मार्ट फोन देंगे लेकिन आज तक किसी को यह नहीं मिला। जनता को योगी नहीं योग्य सरकार चाहिए। एंबुलेंस व्यवस्था को चौपट कर दिया। उन्होंने जनता से भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की।

विजय रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सपा प्रमुख अखिलेश यादव विजय रथ यात्रा लेकर आज रायबरेली पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। उनको सुनने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने सपा प्रमुख पर फूल-मालाओं की बारिश कीं।

कई जगह करेंगे सभा

दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे अखिलेश यादव बछरावां, हरचंदपुर व सरेनी विधान सभा क्षेत्रों पर जनसभाएं की। बछरावां से उनकी विजय यात्रा हरचंदपुर विधान सभा क्षेत्र के गुरबख्श गंज पहुंची। इसके अलावा वे अन्य जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री टेनी की बर्खास्तगी की मांग तेज, संसद में विपक्ष का हंगामा

» एसआईटी रिपोर्ट का हवाला देकर विपक्ष ने एक बार फिर केंद्र को घेरा

» लोक सभा की कार्यवाही बाधित, राज्य सभा सोमवार तक स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काले गुब्बारे उड़ा जताया विरोध

लखनऊ विधान सभा के बाहर कांग्रेस विधायकों ने काले गुब्बारे उड़ा कर विरोध जताया और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग केंद्र सरकार से की।

नई दिल्ली। लखीमपुर हिंसा पर एसआईटी के खुलासे के बाद विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है। आज भी संसद के दोनों सदनों में विपक्ष ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। हंगामे के चलते लोक सभा की कार्यवाही बाधित रही। वहीं राज्य सभा में हंगामे के बीच सभापति ने सोमवार तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया। उत्तर प्रदेश में विधान सभा के सामने कांग्रेस विधायकों ने काले गुब्बारे छोड़कर मंत्री की बर्खास्तगी की मांग की। वहीं निलंबित चल रहे सांसदों ने संसद भवन के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान बैंकों के निजीकरण और विलय का विरोध किया गया।

लखीमपुर हिंसा मामले में एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद से विपक्ष ने केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग तेज कर दी है। आज भी लोक सभा में एक बार फिर से इसी मुद्दे पर हंगामा हुआ। यही हाल राज्य सभा में रहा। विपक्षी सांसद मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं। इसके कारण लोक सभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्य सभा में हंगामे के बीच सभापति वेंकैया नायडू ने कहा कि मैंने पक्ष व विपक्ष के सांसदों से बात की है। आप लोग संसद की कार्यवाही को सामान्य तरीके से चलने के लिए कुछ मुद्दों पर आम सहमति बनाएं लेकिन हंगामा जारी रहने के बाद उन्होंने राज्य सभा को सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया।

चुनावी साल में श्रमिकों पर मेहरबानी

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में चरम पर पहुंच चुकी सियासी गर्मी के बीच योगी सरकार ने लगातार दूसरी बार सत्ता का ख्वाब पूरा करने के लिए श्रमिकों, बुजुर्गों और बिजली पर जमकर मेहरबानी दिखाई है। पहली बार श्रमिकों के लिए भरण-पोषण भत्ते का प्रावधान किया गया है। सरकार असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों को 500 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण भत्ता देगी।

वहीं, बुजुर्गों की पेंशन भी दोगुनी यानी 500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया गया है। दिव्यांगों को मिलने वाला अनुदान भी 500 से 1000 रुपये कर दिया गया है। योगी सरकार ने साल के दूसरे अनुपूरक बजट में एक तरह से श्रमिकों और बिजली के लिए खजाना खोल दिया है। 8479.53 करोड़ रुपये के अनुपूरक बजट में से अकेले 4000 करोड़ रुपये का प्रावधान सिर्फ असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए किया गया है।

वहीं, बिजली के लिए 3382.50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। विधानसभा चुनाव के एलान की उल्टी गिनती के संकेतों के बीच वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अनुपूरक बजट पेश किया। साथ ही वर्ष 2022-23 का अंतरिम बजट व चार महीने का लेखानुदान भी पेश किया गया। इसमें सूचना को भी प्रचार के लिए 150 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने अनुपूरक बजट पेश किया। सरकार असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों को दिसंबर से मार्च तक 500 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण भत्ता देगी। यह भत्ता 1000-1000 रुपये की दो किस्तों में दिया जाएगा।

प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के करीब 6.60 करोड़ श्रमिक हैं। इनमें से अब तक लगभग 2.50 करोड़ लोगों का पंजीकरण हो चुका है। 31 दिसंबर तक पंजीकरण कराने वाले सभी श्रमिक इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

500
रुपए महीने असंगठित श्रमिकों को भत्ता मिलेगा

पेंशन दोगुना 56 लाख बुजुर्गों को फायदा

विपक्षी दलों की ओर से बिजली को लेकर की जा रही लुभावनी घोषणाओं के जवाब में योगी सरकार ने चुनाव तक शहरों से लेकर गांवों तक 24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए अनुपूरक बजट में अंशपूंजी के रूप में 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इससे गांवों, तहसीलों और बुंदेलखंड को भी अब महानगरों, जिला मुख्यालयों व उद्योगों की भांति कटौतीमुक्त बिजली मिल सकेगी। सरकार ने वृद्धावस्था/किसान पेंशन में दोगुना बढ़ोतरी का फैसला किया है। वृद्धावस्था पेंशन 500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 रुपये की जा रही है। इसके लिए 670 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इससे करीब 56 लाख बुजुर्ग लाभान्वित होंगे। इसी तरह 11 लाख दिव्यांगों को भी 500 रुपये के बजाय अब 1000 रुपये प्रतिमाह अनुदान मिलेगा। इसके लिए 167 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

टेनी के घर बुलडोजर नहीं चलवाएगी योगी सरकार : साजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने एक कार्यक्रम के दौरान लखीमपुर में पत्रकारों के साथ बदसलूकी की। मंत्री ने उनको गाली दी और मारने के लिए दौड़े। इस पूरे मामले पर सपा एमएलसी सुनील सिंह का एक बयान सामने आया है। एमएलसी ने कहा कि क्या योगी की मंत्री के घर पर बुलडोजर चलवाने की हैसियत है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज और कल रायबरेली दौरे पर हैं। उससे पहले सपा एमएलसी सुनील सिंह साजन रायबरेली पहुंचे। जहां पर उन्होंने सपा कार्यालय में सपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद अब क्या कार्रवाई करेंगे। क्या वो गृह राज्य मंत्री के घर पर बुलडोजर चलवा पाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा की विदाई तय है। जनता भाजपा से बहुत नाराज है। भारतीय जनता पार्टी ने लोगों को झूठ के सपने दिखाए। नौजवानों को रोजगार तक नहीं दिया। यहां तक कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठियां बरसाई जा रही हैं। योगी सरकार गरीबों पर ही जुल्म ढहाती है जबकि यही आम जनता ने भाजपा की सरकार बनाई और उसी भाजपा ने जनता का विश्वास तोड़ा है।

प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं : जय प्रताप

» विधान परिषद में अपने ही जवाब में घिरे स्वास्थ्य मंत्री व जल शक्ति मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान परिषद में सरकार ने बताया कि प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से किसी की मौत नहीं हुई है। कांग्रेस नेता दीपक सिंह के सवाल के जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में कोरोना से 22,915 मौतें हुई हैं, लेकिन इनमें से एक भी मौत ऑक्सीजन की कमी से नहीं बताई गई है। इस पर सपा सदस्य उदयवीर सिंह ने कहा कि आगरा के पारस अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से मौत के मामले में सरकार ने कार्रवाई की है। फिर सरकार यह झूठ कैसे बोल सकती है।

इस पर नेता सदन दिनेश शर्मा ने कहा कि आप लोगों को प्रदेश सरकार की तारीफ करनी चाहिए कि इस बड़ी आपदा में जो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी उसे रोका गया। सपा ने राजधानी के अलीगंज थाना क्षेत्र में आठ दिसंबर को तिरुपति ज्वैलर्स के यहां लूट का मुद्दा उठाया। इस पर सरकार की ओर से कहा गया कि इस मामले का खुलासा लखनऊ पुलिस ने कर दिया है। दो लोगों को गिरफ्तार कर लूट के माल की बरामदगी भी की गई है। वहीं जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने सपा

सरकार के दौरान हुई घटनाओं की याद दिलाई। निजी अस्पतालों में जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने को लेकर सपा सदस्य परवेज अली के सवाल पर जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश के 1030 निजी और 140 सरकारी अस्पतालों में इनके स्टोर खुले हैं। उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों में जेनेरिक दवाओं के लिए जब कोई लाइसेंस मांगता है तब उसे सारे मापदंडों के अनुसार लाइसेंस दिए जाते हैं। इस पर परवेज अली ने पीठ से मांग की कि सभापति एक समिति बना दें और वह चलकर देख लें कि क्या पांच निजी अस्पतालों में भी इसकी व्यवस्था है? उन्होंने मंत्री को भी चुनौती दी कि वे लखनऊ के पांच अस्पतालों के नाम बता दें जहां जेनेरिक दवाएं मिलती हों। इस पर मंत्री ने कहा कि जेनेरिक दवाओं के स्टोर राज्य सरकार नहीं खुलवाती। हम पहले से यूपी में दवा और इलाज गरीब परिवारों को फ्री में दे रहे हैं

गठबंधन पर सहमति, शिवपाल अखिलेश साथ लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव कल शाम प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के घर पहुंचे। दोनों में करीब 40 मिनट बातचीत हुई। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। लिखा कि गठबंधन पर बातचीत हुई। हालांकि प्रसपा अध्यक्ष विलय के मुद्दे पर भी राजी हैं। सपा और प्रसपा के साथ-साथ रहने को लेकर लंबे समय से संकेत मिल रहे थे। दो दिन से शिवपाल सिंह यादव राजधानी में ही हैं। इस बीच दोनों के बीच मुलाकात तय हुई।

पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि तय हुआ था कि कल दोपहर दो बजे शिवपाल सिंह यादव के आवास पर दोनों एक टेबल पर बैठकर खाना खाएंगे। इसी दौरान गठबंधन या विलय पर विस्तार से बातचीत हुई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी कार्यालय में व्यस्त रहे तो शिवपाल सिंह यादव अपने कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक किए। इस बैठक में शिवपाल सिंह यादव ने विलय का प्रस्ताव रखा। सहमति होने पर वे अपने आवास के लिए निकल गए। शाम करीब चार बजे के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव उनके आवास पर पहुंचे। दोनों ने साथ-साथ नाश्ता किया। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने ट्वीट कर

लिखा कि प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात हुई और गठबंधन पर बात तय हुई है। क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है। फिलहाल सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गठबंधन की बात कही है लेकिन शिवपाल सिंह यादव विलय के लिए भी तैयार हैं। अभी सीट बंटवारे को लेकर खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन दोनों पार्टियों में दखल रखने वालों का कहना है कि साइकिल चुनाव चिन्ह पर शिवपाल सिंह यादव के खास 15 से 20 लोग चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। इस पर आपसी सहमति हो चुकी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

गठबंधन और उसके परिणाम भाजपा को नहीं हरा सकते : पंकज सिंह

350
से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल होगी यूपी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और नोएडा से विधायक पंकज सिंह ने कहा केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में योगी की सरकार है, यहां कोई गठबंधन काम नहीं करेगा। प्रदेश में दोबारा भाजपा सरकार बनाएगी। यूपी में 350 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल होगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह ने कहा यूपी में भाजपा के प्रति लोगों में विश्वास है। बहुत बड़े-बड़े गठबंधन और उसके परिणाम देखें हैं। इसलिए किसी के मिलने-जुलने का कोई प्रभाव भाजपा की सीटों पर नहीं पड़ेगा। भाजपा संगठन यूपी में

मजबूत है। यहां हर 60 वोट पर एक भाजपा कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा भाजपा सरकार में कोई दोषी बख्शा नहीं जाएगा। पंकज सिंह बोले कृषि कानून एक वर्ग ही नहीं समझ पाया, जिसने आंदोलन किया। बीजेपी को किसानों के एक बड़े धड़े का समर्थन लगातार मिलता आया है और मिलता रहेगा। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की संख्या अन्य पार्टियों के कार्यकर्ताओं से भी ज्यादा है। कार्यकर्ताओं की क्षमता के हिसाब से उन्हें बूथ से जिला स्तर और प्रदेश स्तर में हिस्सा दिया जा रहा है। पंकज सिंह ने कहा खेल संघ में जो स्पोर्टस को बढ़ाएगा उनको आगे आना चाहिए। यह राजनीतिक स्थान नहीं है। यहां किसी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। राजनाथ सिंह के बेटे और नोएडा से विधायक पंकज सिंह यूपी भाजपा के उपाध्यक्ष भी हैं। पंकज सिंह 2004 में प्रदेश कार्यकारिणी में बतौर सदस्य शामिल होने के बाद 2007 में बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और 2009 में प्रदेश मंत्री बने।

पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों को भी चुनाव मैदान में उतार सकती है भाजपा

300 से अधिक सीटों पर जीत का हैं लक्ष्य प्रदेश में

» एक-एक सीट पर बीजेपी के शीर्ष नेता कर रहे मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव-2022 में मिशन 300 प्लस के साथ चुनाव लड़ रही भाजपा सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों को चुनाव मैदान में उतार सकती है। एक-एक विधान सभा सीट पर जीत के लिए गहन मंथन में जुटे भाजपा के रणनीतिकार निगम, आयोग और बोर्डों के प्रभावशाली अध्यक्षों को भी चुनाव लड़ाने पर मंथन कर रहे है। विधान सभा चुनाव 2017 में भाजपा ने 384 सीटों पर चुनाव लड़कर 312 सीटों पर जीत दर्ज की थी। विधानसभा चुनाव-2022 में भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रदेश में 300 से अधिक सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है।

यूपी चुनाव के परिणाम 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव को पूरी तरह प्रभावित करेंगे। यही वजह है कि भाजपा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक-एक सीट पर प्रत्याशी चयन में गहन मंथन कर रही है। भाजपा के रणनीतिकार किसी भी सीट पर जोखिम उठाने की जगह सटीक रणनीति से जिताऊ उम्मीदवार को टिकट देना चाहते है। पार्टी ने ब्राह्मण, ठाकुर, वैश्य के साथ पिछड़ी व दलित जातियों में प्रभाव रखने वाले नेताओं को आयोगों, निगम और बोर्डों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नामित कराया था। प्रदेश के विभिन्न आयोग, बोर्ड और निगमों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के जातीय वोट बैंक को साधने और उनके प्रभुत्व का उपयोग करने के लिए पार्टी उन्हें भी टिकट दे सकती है।

सांसद को विधायक का चुनाव जीतने पर बनाया जा सकता है मंत्री

भाजपा के एक उच्च पदस्थ पदाधिकारी बताते हैं कि जहां कहीं जातीय समीकरण बनाने और वर्तमान विधायक से कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने के लिए पार्टी के सांसद को भी चुनाव लड़ा सकती है। खासतौर पर ऐसे सांसद जिन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल और पार्टी की राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है उन्हें विधान सभा चुनाव लड़ाकर सरकार बनने पर मंत्री पद दिया जा सकता है। उनका कहना है कि प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों का चयन हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है। युवा जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख सरकार व जनता की अपेक्षा के अनुरूप काम करने के साथ क्षेत्र में कुछ नवाचार कर अपनी अलग छवि बनाने का प्रयास कर रहे है। भाजपा विधान सभा चुनाव में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों के काम और छवि का फायदा उठाने के लिए उन्हें उम्मीदवार बनाने का दांव भी लगा सकती है।

पंचायतों में मंदिर पॉलिटिक्स को भी धार देने में जुटी भाजपा

सूत्र बताते हैं कि पंचायतों में भी भाजपा ने मंदिर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है। इसके जरिए वह हिंदुत्व का धार देने में जुट गयी है ताकि प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखा जा सके। यही वजह है कि भाजपा के दिग्गज गांवों में चौपाल लगाकर अयोध्या व काशी जैसे मुद्दे पर जोर दे रहे हैं। चौपालों व संवाद कार्यक्रम में भाजपा विकास के साथ राम मंदिर निर्माण और काशी विश्वनाथ मंदिर के कायाकल्प का लगातार मुद्दा उठा रही है। साथ ही यह भी बता रही है कि इसके कारण न केवल पर्यटन का विकास होगा बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेंगे। भाजपा अयोध्या, काशी व मथुरा के नाम पर मंदिर पॉलिटिक्स कर जनता को अपने पक्ष में करने के मूड़ में हैं ताकि बहुमत का आंकड़ा पार करने में कोई समस्या न आए।

शुरू की जाएंगी जन विश्वास यात्राएं

भाजपा की छह जन विश्वास यात्राएं 19 दिसंबर से शुरू होने वाली हैं। यह यात्राएं सभी 403 विधान सभा क्षेत्रों का भ्रमण करेंगी। जनता से संवाद किया जाएगा, जिसमें अयोध्या और काशी का भी खास तौर पर उल्लेख किया जाएगा।

विधान सभा चुनाव: यूपी में सियासी जमीन मजबूत करने को कांग्रेस ने कसी कमर

» जनता तक पार्टी की आवाज पहुंचाने को बेहतर प्रवक्ताओं की नियुक्ति पर दे रही जोर

» कांग्रेस बने यूपी की आवाज कैंपेन पर भी फोकस, सभाओं के जरिए बना रही पैठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सियासी वनवास काट रही कांग्रेस आगामी विधान सभा चुनाव में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ने के मूड में है। वह जनता के बीच पार्टी की विचारधारा पहुंचाने के लिए एक ओर सभाएं कर रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस बने यूपी की आवाज कैंपेन भी चला रही है। खुद को तराशने में जुटी कांग्रेस अब बेहतर प्रवक्ताओं की नियुक्ति करने पर फोकस कर रही है।

अपने नेताओं के बेतुके बयानों को लेकर हमेशा चर्चाओं में रहने वाली कांग्रेस ने अब अपने कम्युनिकेशन स्तर को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। विधान सभा चुनाव से ठीक पहले जनता तक अपनी बात पहुंचाने के लिए पार्टी प्रवक्ताओं का चयन कर रही है। जिसके लिए पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों ने प्रवक्ता पद की इच्छा रखने वाले कार्यकर्ताओ और पदाधिकारियों के सामने लिखित परीक्षा की चुनौती रखी है। जिसे पार करने के बाद ही पार्टी प्रवक्ता नियुक्त करेगी। पार्टी ने अपनी ये कवायद जिला स्तर पर शुरू कर दी है। यही वजह है कि पिछले दिनों बरेली और आगरा समेत कई जिलों में परीक्षाएं आयोजित की गयीं। बरेली के जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने बताया कि बने यूपी की आवाज के लिए प्रवक्ता का चयन किया जाना है। इसके लिए पार्टी कार्यालय पर परीक्षा कराई गयी है। वहीं आगरा में कांग्रेस के शहर, जिला और मंडल के प्रवक्ताओं की नियुक्ति के लिए परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और परीक्षा दी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता अशोक सिंह ने बताया कि शहर, जिले और मंडल में पार्टी का पक्ष रखने और पार्टी की आवाज को जनता के बीच पहुंचाने के लिए हमारी पार्टी 'कांग्रेस बने यूपी की आवाज' नाम से कैंपेन चला रही है। इसके माध्यम से कुशल प्रवक्ता की तलाश की जा रही है। आगरा में प्रवक्ता की लिखित परीक्षा हुई है। परीक्षा के प्रश्न पत्र को लखनऊ भेज दिया गया है। इस प्रतियोगिता का परिणाम एक हफ्ते बाद आएगा।

प्रवक्ता के लिए परीक्षा

परीक्षार्थियों से कांग्रेस की जानकारियों के साथ आरएसएस और बीजेपी के गठन, उनकी मूल अवधारणा, पार्टी प्रवक्ता की जिम्मेदारियां, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और संविधान पर आधारित प्रश्न भी पूछे गए। यही नहीं, प्रदेश प्रवक्ता ने परीक्षा के साथ-साथ सभी आवेदकों का साक्षात्कार कर उनका परिचय लिया और मौखिक सवाल भी पूछे।

महिलाओं को लुभाने में जुटी पार्टी

प्रियंका गांधी ने प्रदेश की महिलाओं को लुभाने के लिए न केवल कई वादे किए हैं बल्कि पार्टी में चालीस फीसदी सीट उनके लिए आरक्षित कर दी है। इसके अलावा किसानों की समस्याओं को लेकर भी कांग्रेस लगातार सरकार को घेर रही है।

प्रदेश सरकार पर हमलावर

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और यूपी का प्रभार संभाल रहीं प्रियंका गांधी लगातार प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमले कर रही है। वे महंगाई, बेरोजगारी, किसान समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेर रही है। वहीं पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी सड़क पर उतरकर संघर्ष करते भी दिख रहे हैं। लखमीपुर हिंसा मामले पर एसआईटी जांच रिपोर्ट में किसानों की हत्या की साजिश के खुलासे के बाद कांग्रेस ने विधान सभा से लेकर सड़क तक मोर्चा खोल दिया है। पार्टी लगातार केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। इस मामले में सरकार फिलहाल बैकफुट पर नजर आ रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अव्यवस्थाओं से जूझते शहर

तमाम दावों के बावजूद उत्तर प्रदेश के अधिकांश शहरों की तस्वीर बेहद बदरंग है। शहरवासी आज भी जाम, प्रदूषण, जर्जर सड़कों, दूषित पेयजल, और गंदगी समेत तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं। राजधानी लखनऊ भी इससे अछूती नहीं है। वहीं शहरों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी संभाल रहीं नगर निगमों और नगर पालिकाओं पर इस सबका कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। वे बस कागजों पर शहरों को चमकाने में व्यस्त हैं। सवाल यह है कि स्मार्ट सिटी की बात करने वाली सरकार शहरों को दुरुस्त क्यों नहीं कर पा रही है? अव्यवस्था को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? जाम और अतिक्रमण से शहरों को छुटकारा क्यों नहीं मिल पा रहा है? बढ़ते प्रदूषण और दूषित पेयजल का जिम्मेदार कौन है? गड्ढा मुक्त सड़कों का दावा जमीन पर क्यों नहीं दिखायी पड़ रहा है? क्या नगर निगम और पालिकाएं केवल टैक्स वसूलने का तंत्र बनकर रह गयी हैं? शहर के विकास के नाम पर आने वाला भारी भरकम बजट आखिर कहां खर्च किया जा रहा है?

उत्तर प्रदेश में तमाम सरकारें आयीं और गईं लेकिन शहरों की सूरत आज तक नहीं बदली। हालांकि सभी सरकारों ने शहरों को चमकाने का वादा किया था। प्रदेश की राजधानी लखनऊ भी इससे अछूती नहीं है। शहर को आज तक स्मार्ट नहीं बनाया जा सका है। हालात यह है कि यहां के अधिकांश बाजारों में गंदगी का अंबार लगा रहता है। कुछ पॉश इलाकों को छोड़ दें तो अधिकांश इलाकों में सफाई कर्मी नहीं पहुंचते हैं। कूड़ा उठान और निस्तारण की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग खाली प्लाटों और सड़कों पर कूड़ा फेंकते हैं। पुराने लखनऊ की हालात तो और भी बदतर है। जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने के कारण यहां गंदा पानी सड़कों पर बहता है। ट्रैफिक सिस्टम इस कदर चौपट है कि लोगों को हर रोज जाम से दो-चार होना पड़ता है। तमाम कोशिशों के बावजूद आज तक अतिक्रमण को खत्म नहीं किया जा सका है। यही वजह है कि पत्रकारपुरम से लेकर अमीनाबाद तक अतिक्रमण का जाल दिखायी पड़ता है। जाम के कारण वाहनों से निकलने वाला धुंआ प्रदूषण को और भी बढ़ा देता है। यह लोगों की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। सड़कों पर गड्ढे हैं। यह तब है जब सरकार ने गड्ढा मुक्त सड़कों का वादा किया था। यदि सरकार शहर को अव्यवस्थाओं से मुक्त करना चाहती है तो उसे बेहतर कार्ययोजना बनाकर अमलीजामा पहनाना होगा। सड़कों को अतिक्रमण और गड्ढा मुक्त करना होगा। साथ ही इसके लिए जिम्मेदार विभाग की जवाबदेही भी तय करनी होगी अन्यथा स्मार्ट सिटी का सपना हकीकत नहीं बन सकेगा।

संजय

सवाल यह है कि स्मार्ट सिटी की बात करने वाली सरकार शहरों को दुरुस्त क्यों नहीं कर पा रही है? अव्यवस्था को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? जाम और अतिक्रमण से शहरों को छुटकारा क्यों नहीं मिल पा रहा है? बढ़ते प्रदूषण और दूषित पेयजल का जिम्मेदार कौन है? गड्ढा मुक्त सड़कों का दावा जमीन पर क्यों नहीं दिखायी पड़ रहा है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र में असहमति के अधिकार का प्रश्न

अनूप भटनागर

राजद्रोह के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए की संवैधानिक वैधता हालांकि इस समय न्यायिक समीक्षा के दायरे में है, लेकिन इससे बेखबर राज्यों में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में लोगों की गिरफ्तारी का सिलसिला अभी भी जारी है। इस बीच, केन्द्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि राजद्रोह के अपराध से संबंधित कानून को निरस्त या उसमें संशोधन करने का उसका इरादा नहीं है। इसके बाद इतना तो निश्चित है कि देश की शीर्ष अदालत को ही इस कानून के इस्तेमाल और इसका दुरुपयोग रोकने के बारे में अपना फैसला सुनाना होगा।

प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने 15 जुलाई को राजद्रोह संबंधी कानूनी प्रावधान की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। मानवाधिकार कार्यकर्ता मेजर-जनरल (अ.प्र.) एसजी वोम्बटकेरे की याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि यह औपनिवेशिक काल का कानून है और ब्रितानी शासनकाल में स्वतंत्रता संग्राम को दबाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था। क्या आजादी के 75 साल बाद भी इसे कानून बनाए रखना आवश्यक है? हालांकि, अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने इन प्रावधानों का बचाव करते हुए उस समय भी कहा था कि इसे कानून की किताब में बने रहना देना चाहिए और न्यायालय चाहे तो इसका दुरुपयोग रोकने के लिए दिशा-निर्देश दे सकता है। कानून मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा को सूचित किया है कि गृह मंत्रालय के पास राजद्रोह के अपराध के आरोप से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को निरस्त करने या उसमें संशोधन करने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। संसद में सरकार की ओर से दिया गया यह जवाब महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में देश के सेनापति सीडीएस जनरल बिपिन रावत और ब्रिगेडियर लिड्डर सहित सैन्य बल के 14 सदस्यों की हेलिकॉप्टर हादसे में मृत्यु की घटना पर खुशी जाहिर करने वालों के खिलाफ गुजरात और उत्तर प्रदेश सहित देश के कुछ राज्यों में राष्ट्र विरोधी कृत्य के आरोप में कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, धारा 124ए में राष्ट्रद्रोह की परिभाषा के अनुसार अगर कोई व्यक्ति सरकार-विरोधी सामग्री लिखता या बोलता या ऐसी सामग्री का समर्थन करता है, जिससे असंतोष पैदा हो तो यह राजद्रोह है। यह दंडनीय अपराध है। संसद में असम से सांसद बदरुद्दीन अजमल सरकार से जानना

चाहते थे कि क्या हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने राजद्रोह संबंधी कानून को ब्रिटिश काल का बताते हुए कहा है कि इसका दुरुपयोग हो रहा है और क्या न्यायालय ने इस कानून की आवश्यकता और वैधता पर सरकार से जवाब मांगा है। इस सवाल के जवाब में कानून मंत्री का कहना है, 'उच्चतम न्यायालय के किसी भी फैसले या आदेश में इस तरह की टिप्पणी नहीं मिली है।' सरकार का कहना है कि इस मामले में शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए और धारा 505 के प्रावधानों के दायरे और पैमाने की, विशेष रूप से समाचार और सूचनाओं के संप्रेषित करने वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया के अधिकारों और राष्ट्र के किसी भी हिस्से में शासन कर रही सरकार के आलोचकों के अधिकारों के संदर्भ में, व्याख्या करने की जरूरत है। रिजिजू ने कहा कि न्यायालय में दायर याचिकाओं में धारा 124ए को असंवैधानिक घोषित करने का अनुरोध किया गया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय ने बार-बार अपनी व्यवस्था में कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को किसी भी तरह से राजद्रोह नहीं माना जा सकता। न्यायपालिका ने यह भी कहा है कि समाज में विभिन्न मुद्दों पर विपरीत विचारधारा के लिये असहिष्णुता बढ़ रही है, जो चिंता की बात है।

न्यायपालिका जहां असहमति को लोकतंत्र का सेफ्टी वाल्व मानती है वहीं उसका यह भी कहना है कि असहमति को सिरे से राष्ट्रविरोधी या लोकतंत्र विरोधी बताना लोकतंत्र पर ही हमला है क्योंकि विचारों को दबाने का मतलब देश की अंतरात्मा को दबाना है। ऐसी स्थिति में देश के राजनीतिक वर्ग के लिए आत्मचिंतन करने की जरूरत है। नागरिकों के खिलाफ राजद्रोह के आरोपों के बारे में न्यायपालिका की प्रतिकूल टिप्पणियों और विधि आयोग की रिपोर्ट और परामर्श पत्र के मद्देनजर जरूरी है कि सरकार भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को बरकरार रखने या इसमें उचित संशोधन करने पर विचार करे, ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। न्यायपालिका के लिए इन प्रावधानों का दुरुपयोग रोकने के लिए उचित दिशा-निर्देश देना जरूरी है।

सैन्य सुरक्षा पर हो ज्यादा ध्यान

जगदीश रत्नानी

एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में भारत के पहले रक्षा प्रमुख जनरल बिपिन रावत की मृत्यु अत्यंत दुखद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संदेश में राष्ट्र की भावना को व्यक्त करते हुए जनरल रावत के अनुभव और उनकी अतुलनीय सेवा का स्मरण किया। हादसे में जनरल रावत और उनकी पत्नी के साथ 12 और सैनिकों की मौत हुई है। घायल ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का भी उपचार के दौरान निधन हो गया। इस दुर्घटना ने कई चिंताओं और सवालों को पैदा किया है। इसमें एक अहम बिंदु यह भी है कि उपकरणों से लैस और सुरक्षित हेलीकॉप्टर से सभी यात्रा कर रहे थे, जिसका इस्तेमाल अति विशिष्ट व्यक्तियों की यात्राओं के लिए होता है। सहयोगी कंपनी के जरिये इन्हें बनानेवाली कंपनी रशियन हेलीकॉप्टर्स इसे अपने वर्ग के सबसे लोकप्रिय और सक्षम हेलीकॉप्टर बताती है। इस घटना पर जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। हमें कोर्ट ऑफ इनक्वायरी की रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए, जिसके गठन का आदेश दिया जा चुका है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग दुर्घटना के कारणों का अनुमान लगा रहे हैं तथा उनके सीमित विश्लेषण राजनीतिक धार के साथ सामने आ रहे हैं, जिससे भ्रम पैदा हो रहा है। यह पूर्ण और उचित जांच के मसले के लिए उचित नहीं हैं। सभी पक्षों को समझना होगा कि इस दुर्घटना के साथ राजनीति खेलने का यह न तो समय है और न ही विषय। एक वीडियो चल रहा है, जिसमें कथित रूप से एक पूर्व सैनिक पिछली सरकारों की चर्चा करते हुए राजनीति और धर्म की बातें करता दिख रहा है। दुर्भाग्य से, दुर्घटना में अकेले जीवित बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का भी निधन हो गया है। दुर्घटना से ठीक पहले के बारे में उनकी जानकारी जांच दल के लिए बहुत अहम हो सकती थी। इससे यह पता चल पाता कि बिना किसी जोखिम के सामान्य रास्ते पर जा रहा हेलीकॉप्टर कैसे व क्यों दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है। यह एक विशेष मामला है, जिसमें देश के एक शीर्ष अधिकारी, उनकी पत्नी और उनके सुरक्षा दस्ते की मौत हुई है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारतीय रक्षा सेवाओं में उड़ान सुरक्षा का रिकॉर्ड कमजोर है। प्रशिक्षण और सहयोगी उड़ानों की अनेक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और ये मसले संसद समेत विभिन्न मंचों पर उठाये जाते रहे हैं। जून, 2019 में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने लोकसभा को बताया था कि 2016-17 से 2019-20 (20 जून, 2019 तक) के बीच भारतीय वायु सेना के 27 जहाज दुर्घटनाग्रस्त हुए। हालांकि वायु सेना और उसके सुरक्षा रिकॉर्ड पर ही ध्यान बना हुआ है, स्वाभाविक तौर पर उड़ानों के साथ अधिक खतरा रहता ही है। कहने की जरूरत नहीं है कि इसका संबंध हमारी रक्षा तैयारियों से है और इसलिए सुरक्षा और रखरखाव कोई विलासिता नहीं हैं, बल्कि ये देश के वृहत रक्षा व्यवस्था को सक्षम रखने के लिए आवश्यक निवेश का हिस्सा है। खतरों की बढ़ती आशंका को देखते हुए इस्तेमाल हो रहे सैन्य साजो-सामान को तकनीकी रूप से बदलती दुनिया में तथा खर्चों की लगातार बढ़ोतरी के हिसाब से आधुनिक बनाते रहना होगा।

कल-पुर्जों के मामले में एक उल्लेखनीय टिप्पणी 2010-11 की एक रिपोर्ट में की गयी थी। उसमें रेखांकित किया गया था कि हर इकाई आम तौर पर एक हेलीकॉप्टर जमीन पर छह माह तक रखती है ताकि जरूरत पड़ने पर उसके कल-पुर्जों का इस्तेमाल किया जा सके। इससे पता चल रहा था कि जरूरी संख्या में हेलीकॉप्टर उड़ने की स्थिति में नहीं हैं, जिससे इकाइयों को दिये काम के लिए उनका इस्तेमाल होने में बाधा पहुंचती है। हालांकि ध्यान जहाजों और भारतीय वायु सेना पर अधिक है, लेकिन अन्य सेनाओं पर भी सुरक्षा से जुड़े मामलों में असर पड़ा है। 2013 में बंदरगाह पर खड़ी एक भारतीय पनडुब्बी में आग लग गयी थी और वह डूब गयी थी। उस दुर्घटना में पनडुब्बी पर तैनात 18 लोगों की मौत हुई थी। यह जानना आश्चर्यजनक लग सकता है कि 2007-08 और 2015-16 के बीच भारतीय नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों के साथ 38 दुर्घनाएं हुई थीं। यह सूचना देते हुए 2017 की एक आधिकारिक रिपोर्ट में रेखांकित किया गया था कि इन दुर्घटनाओं में जान-माल के साथ दो नौसेना पोतों और एक पनडुब्बी का नुकसान हुआ था तथा भारतीय नौसेना के पास उसकी स्थापना के समय से ही सुरक्षा मामलों को देखने के लिए कोई सांस्थानिक व्यवस्था नहीं है। इन घटनाओं और प्रकरणों के आधार पर वर्तमान कार्य पद्धति और निवेश नियमों से जुड़ी हर बात पर सवाल उठाया जाना चाहिए। इससे भी अहम यह है कि कार्य-संस्कृति में बदलाव लाकर अधिक सूचनाओं और रिपोर्टों को साझा करना चाहिए ताकि दुर्घटना की स्थिति में खुली और समझदार बातचीत हो सके। बिना सुरक्षा से समझौता किये हुए ऐसा बहुत से मामलों में किया जा सकता है। जांच बंद दरवाजे के पीछे हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा का ध्यान रखते हुए रिपोर्टों को धीरे-धीरे सार्वजनिक करना चाहिए। दुर्घटनाओं के कारण उपकरणों की नाकामी भी हो सकती है और मानवीय चूक भी। इस अंतर को ठीक से समझा जाना चाहिए और इस पर खुली चर्चा होनी चाहिए। समूचा प्रयास अच्छे सुरक्षा स्तर के साथ अच्छे प्रदर्शन, अच्छी तैयारी और अच्छी क्षमता की दिशा में होना चाहिए।

'चिलब्लेन' से सर्दियों में साधारण उपाय करके बचें

सर्दी का मौसम शुरू हो गया है। हालांकि सर्दी ने अपना कहर दिखाना शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में और जबरदस्त सर्दी पड़ने लगेगी। ऐसे मौसम में चिलब्लेन नाम की बीमारी बच्चों और बुजुर्गों को घेर लेती है। आखिर क्या है चिलब्लेन और कैसे इससे बचें, जानें।

क्या है चिलब्लेन

सर्दी के मौसम में हाथ और पैर, खासतौर पर पैर की उंगलियों पर लाल निशान बनने या खुजली के साथ सूजन आने की समस्या आम बात है। डॉक्टरों की मानें तो इस बीमारी को चिलब्लेन कहते हैं। कई बार ज्यादा खुजली के कारण हाथ पैरों में घाव भी हो सकते हैं। चिलब्लेन, ठंड में नंगे पैर घूमने या तापमान में अचानक बदलाव से होता है। इन दिनों बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत होती है। यह एक कनेक्टिव टिश्यूज डिजीज है। हालांकि, साधारण उपाय करके इससे बचा जा सकता है।

ऐसे बचें

- सुबह-शाम के समय पानी में काम करना जरूरी है तो गर्म पानी का इस्तेमाल करें।
- बाहर निकलते समय हाथों में दस्ताने और पैरों में जुराब जरूर पहनें।
- जहां तक संभव हो ऊनी व सूती कपड़े पहनने चाहिए।
- कम सर्दी में सूती और ज्यादा सर्दी में सूती के ऊपर ऊनी जुराब और दस्ताने पहनें।
- चिलब्लेन होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

रहें सावधान, ज्यादा ठंड में हाथ-पैर में सूजन का खतरा

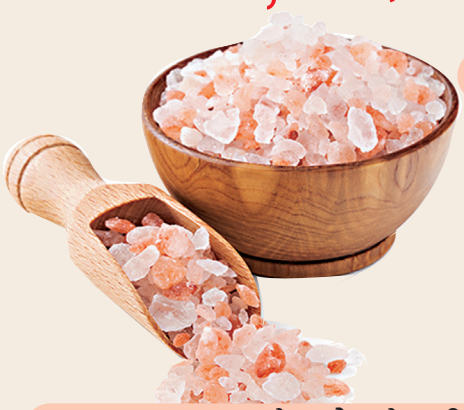

सेंधा नमक से सिंकाई

आयुर्वेदाचार्य की मानें तो सर्दियों में हाथ-पैर में होने वाली सूजन और जलन से बचने के लिए गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर 10 से 15 मिनट के लिए पैर इसमें रखें। पानी की गर्माहट दर्द को खींच लेगी और सेंधा नमक से शरीर में मैग्नीशियम की पूर्ति होगी। पैर को ड्राईनेस से बचाने के लिए इस प्रक्रिया को दिन में एक बार ही करें।

तेल और मोमबत्ती

सर्दियों में हाथ-पैर की सूजन और लालिमा से बचने के लिए मोमबत्ती व सरसों के तेल का मिश्रण बहुत फायदेमंद है। एक कटोरी में सरसों के तेल को गर्म करें और फिर उसमें एक मोमबत्ती डालें। मोमबत्ती को पूरा पिघलने तक इसे पकाएं। अब इसे ठंडा करें और सूजन वाली जगह पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें। 2 से 3 बार इसे लगाने पर आराम मिल जाएगा।

गर्म तेल से मालिश

कटोरी में थोड़ा जैतून या नारियल का तेल लें, तवे पर रखकर उसे गर्म कर लें। इस तेल से पैर की मसाज करें। मसाज हल्के हाथों से, कुछ मिनटों के लिए करें। इससे प्रभावित नसों में रक्त का संचार होगा और दर्द दूर होगा। जब तक सूजन बनी रहे, दिन में दो से तीन बार इस तरह से मसाज करें। ध्यान रखें कि मालिश के समय कमरे का तापमान सामान्य हो। एसी या ठंडे वातावरण में मालिश न करें।

आटा भी फायदेमंद

आटे की गर्माहट से दर्द से जल्दी राहत मिल जाती है। आटे का पेस्ट बनाकर तीस मिनट तक दर्द वाली जगह पर लगाएं। उसके बाद गुनगुने पानी से धोकर हल्की मसाज के साथ मॉइस्चराइजर लगाएं।

कहानी — खिड़की

एक अस्पताल में दो मरीज अजित कुमार और सुरेश कुमार भर्ती थे। दोनों की हालत बहुत ज्यादा गंभीर थी। उनके कमरे में एक ही खिड़की थी। अजित कुमार का बिस्तर उसके पास ही लगा था जबकि सुरेश कुमार का बिस्तर दूसरी तरफ था। अजित कुमार के बिस्तर से खिड़की के बाहर भी देखा जा सकता था। दोनों मरीज चूंकि दिनभर अकेले बिस्तर पर पड़े रहते थे इसलिए एक-दूसरे से बातें किया करते थे। इस तरह इस कमरे में गंभीर बीमारी के बीच उनका मन बहल जाता था। अजित कुमार खिड़की की तरफ देखकर सुरेश कुमार को बताते थे कि बाहर बहुत ही अच्छा पार्क बना है, जिसमें बच्चे खेल रहे हैं। एक छोटा-सा फव्वारा भी चल रहा है। दृश्य बड़ा ही खूबसूरत है। जब अजित कुमार इस तरह पार्क के बारे में बताते तो सुरेश कुमार अपनी आंखें बंद करके उस दृश्य का आनंद लेते। अजित कुमार रोज शाम को पार्क और उसके पास से गुजरने वाली सड़क पर रोज होने वाले नए-नए दृश्यों को सुनाते थे। एक बार उन्होंने सुरेश कुमार से कहा कि सड़क पर से एक बहुत ही अच्छी परेड जा रही है। सुरेश कुमार देख तो नहीं सकते थे पर उन्हें बैंड की आवाज भी नहीं सुनाई दी। वे बड़े दुखी हुए। इस तरह खिड़की के दृश्यों का वर्णन करते हुए एक महीना बीत गया। एक रात जब दोनों अपने कमरे में सो रहे थे। तभी रात को अजित कुमार को कुछ तकलीफ होने लगी। सुरेश कुमार की नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि अजित बाबू तड़प रहे हैं, पर उन्होंने घंटी बजाकर डॉक्टर को नहीं बुलाया। बहुत देर तक कराहने के बाद अजित बाबू शांत हो गए। सुबह पता चला कि अजित बाबू रात को गुजर गए। सुरेश कुमार ने इसलिए घंटी नहीं बजाई क्योंकि वे चाहते थे कि वे खिड़की के पास वाले बिस्तर से बाहर के नजारे देखें और अजित बाबू के रहते उन्हें वह बिस्तर नहीं मिल सकता था। दूसरे ही दिन सुरेश बाबू ने नर्स से खिड़की के पास बिस्तर लगाने का कहा और उनका बिस्तर खिड़की के पास शिफ्ट कर दिया गया। पर यह क्या खिड़की के पास पहुंचकर सुरेश बाबू ने देखा कि खिड़की से बाहर का कोई नजारा नहीं दिखाई देता है। बाहर तो एक दीवार खड़ी है। सुरेश बाबू ने नर्स को सारा किस्सा बताया कि अजित बाबू यहां से क्या-क्या देखा करते थे। नर्स ने कहा कि आपको गलतफहमी हुई है। अजित बाबू की दोनों आंखें खराब थीं। नर्स ने कहा कि हो सकता है वे आपको ठीक करने के लिए इस तरह की बात करते रहे हों। अब सुरेश बाबू अस्पताल के उस कमरे में अकेले पड़े थे।

सीख: सच है खुशी दूसरों को खुश करने में ही है। किसी से जलने में कोई खुशी नहीं है।

हंसना मना है

सर्दियों में लोगों का रिएक्शन। विदेशी: ओ माई गॉड, इट्स सो कोल्ड। भारतीय: देख भाई, मुंह से धुआं निकल रहा है।

एक जमाना था जब मोबाइल गिरता था तो बैटरी बाहर आ जाती थी, आजकल मोबाइल गिरता है तो कलेजा, फेफड़ा, किडनी सब बाहर आ जाते हैं।

सोनू: इतना परेशान क्यों है। मोनू: अरे यार, मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को दो बड़े-बड़े टैडी बियर गिफ्ट किए थे। सोनू: तो इसमें परेशान होने की क्या बात है। मोनू: उसकी मम्मी ने दोनों की रुई निकलवा कर 2 तकिए भरवा लिए।

शादी के तीसरे दिन पत्नी ने अपने निखट्टू पति से मन की इच्छा जाहिर की , मैंने बी.ए पास किया है, अगर नौकरी करूं तो आपको एतराज होगा? पति-तुम भी कमाल करती हो, इसी उम्मीद पर तो मैंने तुमसे शादी की है।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कर्क यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है।

सिंह पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। किसी की आलोचना न करें।

कन्या रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा।

तुला ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। नौकरी में उन्नति होगी।

धनु राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मकर पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। धैर्य रखकर काम करना होगा।

कुम्भ पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। सफलता मिलने के योग हैं।

मीन बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। लाभ की संभावना है।

भोजपुरी | मन की बात

काश कभी रितिक रोशन के साथ काम करने का मौका मिले : तारा

तारा सुतारिया अपनी नई फिल्म तड़प को लेकर खबरों में हैं। एक बातचीत में वे अपनी फिल्म, लड़की होने के पहलुओं, अपने परिवार, अपने क्रश के पहलुओं पर बात करती हैं। तारा कहती है कि इस वक्त मुझे सबसे ज्यादा दर्शकों के प्यार की तड़प है। मैं और मेरे नायक अहान शेट्टी फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं, क्योंकि कोविड के बाद फिल्म रिलीज होने जा रही है। मैं बहुत नर्वस भी हूं कि क्या होगा। यही ख्वाहिश है कि ऑडियंस हमें प्यार दे और फिल्म के लिए हमने जो कड़ी मेहनत की है, उसे पहचाने। कई गर्व भरे पल आए हैं। अपने बलबूते पर मैंने जो मेहनत की है, जो संबंध बनाए हैं, उन्हें लेकर मैं काफी गर्व महसूस करती हूं कि मैंने जो कुछ किया अपने दम पर किया। किसी ने मेरे लिए कुछ नहीं किया। मुझे अच्छा लगता है, जब मैं अपने मम्मी-पापा को कोई तोहफा देती हूं। मैं बहुत कोशिश करती हूं, मगर मम्मी नाराज हो जाती है। मैं अपने पैरेंट्स के लिए एक हॉलिडे प्लान कर रही हूं, मगर वो अभी सीक्रेट है। मेरे घर में मेरे अलावा मेरी जुड़वा बहन भी है और मेरी मम्मी ने हमेशा मुझे ये सीख दी है कि अगर आपको कोई नीचा दिखाता है, तो हीन महसूस करने के बजाय जवाब दो। इंडस्ट्री में तो इस तरह का कोई अनुभव नहीं हुआ, मगर मैं आने वाले दिनों के लिए खुद को मजबूत बनाना चाहती हूं। वैसे काफी मजबूत बन चुकी हूं, क्योंकि इस इंडस्ट्री में लड़कियों को स्ट्रांग होना पड़ता है। वैसे मेरी खुशकिस्मती है कि मैं जिन लोगों के साथ काम करती हूं, वे मुझे काफी सुरक्षित रखते हैं। अब तक मैं काफी सेफ रही हूं, मगर मैं लड़कियों से यही कहना चाहती हूं कि आपके साथ गलत हो, तो चुप न बैठें, आवाज उठाएं, अपने लिए स्टैंड लें, मम्मी ने यही नसीहत दी है।

रणबीर कपूर बने शिवा मोशन पोस्टर आउट

रणबीर कपूर आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन और मौनी रॉय स्टारर मूवी ब्रह्मास्त्र की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। फिल्म की लंबे समय से चर्चा हो रही है और अब इसका धमाकेदार मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें रणबीर शिवा के किरदार में नज़र आ रहे हैं। इसके साथ ही रिलीज डेट की भी अनाउंसमेंट कर दी है। हालांकि, इसे थियेटर्स में देखने के लिए अभी दर्शकों को 1 साल का इंतजार करना होगा। इस मोशन पोस्टर में एक आवाज सुनाई दे रही है कि कुछ चल रहा है दुनिया में ईशा, ऐसा कुछ जो नॉर्मल लोगों की समझ से बाहर है, कुछ पुरानी शक्तियां हैं, कुछ अस्त्र है। इसके बाद आलिया भट्ट की आवाज सुनाई देती है, ये सब तुम्हें क्यों दिख रहा है? तुम हो कौन शिवा? 1 मिनट और 14 सेकंड के इस धमाकेदार वीडियो में कुछ ऐसा दिखाया जा रहा है, जिससे दुनिया में हलचल का पता चल रहा है। ढेर सारी लाइटें। उसके बाद आग के बीच में खड़े रणबीर के हाथों में त्रिशूल आना। फिर उनकी आंखों में उस लाइट की झलक दिखना और उनकी ऐसी भाव-भंगिमा, जिसे देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

बॉलीवुड | मसाला

करण जौहर ने भी मूवी का नया पोस्टर किया है। इसमें लिखा हुआ है- ब्रह्मास्त्र पहला भाग- शिवा। इससे जाहिर होता है कि ये मूवी दो पार्ट में रिलीज होगी। फिलहाल, इस मैजिकल एक्सपीरियंस के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ब्रह्मास्त्र फिल्म की रिलीज डेट की भी अनाउंसमेंट कर दी गई है। ये फिल्म अगले साल यानि 9 सितंबर, 2022 को रिलीज होगी। इस मूवी को 5 लैंग्वेज हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा।ये धर्मा प्रोडक्शन की अब तक की सबसे महंगी और बड़ी फिल्म बताई जा रही है।

वहीं, दूसरी खास बात ये है कि आलिया और रणबीर पहली बार स्क्रीन पर साथ नज़र आएंगे। इसमें इन स्टार्स के अलावा साउथ स्टार नागार्जुन भी नज़र आने वाले हैं। ब्रह्मास्त्र की कामयाबी के लिए आलिया भट्ट और अयान मुखर्जी दिल्ली के मशहूर गुरुद्वारे बंगला साहिब में मत्था टेकने पहुंचे थे। आलिया ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद, आभार और प्रकाश।

मोनालिसा ने मिनी ड्रेस में बिखेरे जलवे

भोजपुरी फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा आज किसी परिचय की मोहताज नहीं रह गई हैं। उन्होंने सिर्फ अपने दम पर एक ऊंचा मुकाम हासिल किया है। मोनालिसा सिर्फ भोजपुरी इंडस्ट्री तक ही सीमित नहीं रह गई हैं। उन्होंने हिन्दी टीवी शोज में नाम हासिल किया है। ऐसे में उनके चाहने वालों की लिस्ट भी लगातार लंबी होती जा रही है। मोनालिसा के फैंस आज देशभर में मौजूद हैं। एक्ट्रेस के चाहने वाले सिर्फ उनकी एक्टिंग के ही नहीं, बल्कि स्टाइलिश अंदाज के भी दीवाने रहते हैं। ऐसे में मोनालिसा भी फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो गई हैं। वह लगभग हर दिन अपनी खूबसूरत फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

भोजपुरी | मसाला

अब एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं। इस तस्वीरों में मोनालिसा को लाइट स्काइ ब्लू शेड की मिनी ड्रेस पहने देखा जा रहा है। इस पर व्हाइट लेस वाला वर्क हो रखा है। मोनालिसा ने अपने इस लुक को कम्पलीट करने के लिए कानों में बड़े-बड़े मेटल के ईयररिंग्स पहने हैं और बालों को खुला छोड़ा है। उन्होंने इसके साथ लाइट पिंक शेड की लिपस्टिक लगाई है और बहुत हल्का मेकअप किया है। अब मोनालिसा के फैंस उनके इस लुक के भी दीवाने हो गए हैं। कुछ ही घंटों में उनकी ये फोटोज तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी हैं। अब तक इस पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ गए हैं, जो लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं।

अजब-गजब | आज तक नहीं मिला असली हत्यारा

एक रहस्यमयी हत्या, जिसके लिए 60 लोगों ने कबूला था जुर्म

दुनिया के किसी भी देश में अगर किसी की हत्या होती है तो पुलिस हत्यारे को कुछ ही दिनों में ढूंढ निकालती है। उसके बाद हत्यारे को कोर्ट में पेश किया जाता है। जहां उसके जुर्म कबूल करने के बाद ही जज उसे सजा सुनाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे मर्डर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए 60 लोगों ने जुर्म कबूला था लेकिन असली हत्यारे के नाम से आज तक पर्दा नहीं हटा। इसीलिए इस हत्या को आज भी रहस्यमयी हत्या माना जाता है। दरअसल, ऐसा ही एक मामला अमेरिका से सामने आया था। जिसे ब्लैक दाहिला मर्डर केस के नाम से जाना जाता है।

बात साल 1947 की है तब अमेरिका में एक महिला की हत्या हो गई। उस समय पूरे अमेरिका में खलबली मचा दी थी। इस मामले को लॉस एंजिलिस के सबसे पुराने अनसुलझे मर्डर केसों में से एक माना जाता है, क्योंकि हत्या लॉस एंजिलिस में ही हुई थी। दरअसल, अमेरिका के बोस्टन की रहने वाली एलिजाबेथ शॉर्ट को ब्लैक दाहिला नाम से जाना जाता था। वह नौ जनवरी 1947 को अचानक गायब हो

गई थीं, जिसके पांच दिन बाद यानी 15 जनवरी को उनकी लाश मिली थी। इसमें हैरानी की बात ये थी कि उनकी लाश कमर से आधी कटी हुई थी, साथ ही शरीर के कई अंगों पर गहरे घाव थे। हत्यारे ने उनका मुंह तो किसी धारदार हथियार से कान तक चीर दिया था। वैसे आमतौर पर हत्याओं के मामले में तो खुद कातिल भी अपना जुर्म कबूल करने से कतराते हैं, लेकिन एलिजाबेथ शॉर्ट की हत्या का मामला इस सबमें सबसे अनोखा था। इस मामले के शुरुआती जांच में करीब 60 लोगों ने एलिजाबेथ शॉर्ट की हत्या का जुर्म कबूला था, जिसमें से अधिकतर पुरुष थे। हालांकि इनका जुर्म कभी साबित नहीं हो सका, इसलिए उन्हें छोड़ दिया गया। वैसे तो अब तक 500 से भी ज्यादा लोग एलिजाबेथ शॉर्ट की हत्या का जुर्म कबूल कर चुके हैं, लेकिन हैरानी की बात ये है कि उसमें से कई लोग ऐसे भी हैं, जिनका तो जन्म ही नहीं हुआ था जब शॉर्ट की हत्या हुई थी। ऐसे में कई लोगों पर मामले को गुमराह करने का केस भी दर्ज किया गया था। इस हत्याकांड पर कई किताबें भी लिखी जा चुकी हैं। एलिजाबेथ शॉर्ट की हत्या को अमेरिकी इतिहास में सबसे क्रूर और अनसुलझे अपराधों में से एक माना जाता है, क्योंकि कातिल का अब तक पता नहीं चल सका है। यहां तक कि टाइम पत्रिका ने भी इसे दुनिया के सबसे कुख्यात अनसुलझे मामलों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया है।

एक लाख रुपए किलो बिकती है ये चाय, जानिए इसकी खासियत

दुनिया में लगभग सभी लोगों के दिन की शुरुआत एक कप अच्छी चाय के साथ होती है। गरीब हो और अमीर सभी एक कप चाय जरूर पीते हैं। दुनियाभर में कई क्वालिटी की चाय पाई जाती हैं और सभी की कीमतें अलग-अलग होती हैं। लेकिन असम में एक चाय पायी जाती है जिसकी कीमत एक लाख रुपए प्रति किलोग्राम है। इस खास चाय का नाम मनोहारी गोल्ड टी है जिसकी खेती एक खास तरह से की जाती है। असम की दुर्लभ प्रजाति वाली मनोहर गोल्ड टी की मंगलवार को गुवाहाटी के नीलामी घर में बोली लगाई गई जो एक किलोग्राम एक लाख रुपये में बिकी। नार्थ इस्टर्न टी असोसिएशन के सलाहकार बिद्यानंद बारकाकोटी ने यह जानकारी दी है। बीते साल यह चाय 75,000 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी थी। आईए जानते हैं कि मनोहारी गोल्ड टी में ऐसा क्या खास है जो यह इतनी महंगी बिकती है। बिद्यानंद बारकाकोटी के मुताबिक, यह एक खास किस्म की चाय होती है। इस चाय की देखरेख अलग तरह से की जाती है और इसका स्वाद भी अलग होता है। उन्होंने बताया कि वे कुछ अलग तरह की चायपत्ती जैसे व्हाइट टी, ग्रीन टी, येलो टी बना रहे हैं। इन खास तरह की चाय मांग होती है। इसलिए चाय का उत्पादन बढ़ाने पर काम किया जा रहा है। मनोहारी गोल्ड टी अपने खास सुगंध के लिए भी प्रसिद्ध है। खास देखरेख में इस चाय की खेती की जाती है। इस खास चाय में कई तरह के एंटी ऑक्सीडेंट्स मिलते हैं। इनमें बायोएक्टिव कम्पाउंड्स पाए जाते हैं जो बढ़ती उम्र के असर और मोटापे को रोकते हैं। मनोहारी टी एस्टेट के मालिक राजन लोहिया का कहना है कि वह इस तरह की प्रीमियम क्वालिटी की स्पेशल चाय का उत्पादन खास उपभोक्ताओं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों की मांग पर करते हैं।

उत्तर भारत में शीत लहर ने दी दस्तक पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ी ठिठुरन

» पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बढ़ी सर्दी, यूपी में भी गलन

» मौसम विभाग के मुताबिक अभी नहीं मिलेगी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत और उत्तर पश्चिमी इलाके में शीत लहर ने दस्तक दे दी है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता की वजह से एक ओर जहां पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर बना हुआ है। वहीं, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में सर्द हवाओं की वजह से ठिठुरन जारी है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत राजस्थान के कुछ भागों में ठिठुरन बढ़ रही है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सप्ताह के अंत तक पारा लुढ़कने से कंपकपी और बढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन कम 19.8 व न्यूनतम तापमान सामान्य के बराबर 8.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 51 से 95 फीसदी रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले 24 घंटे में अधिकतम पारा 20 व न्यूनतम पारा आठ डिग्री सेल्सियस तक बना रहेगा।

हिमाचल में बर्फीला तूफान, लुढ़का पारा

हिमाचल प्रदेश में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के आठ इलाकों में पारा माइनस से नीचे लुढ़क गया है। गुरुवार को लाहौल स्पीति में बर्फीला तूफान आया। अटल टनल के नार्थ पोर्टल के पास बर्फीले तूफान में गाड़ियां फंस गई थी, जिन्हें पुलिस जवानों ने निकाला है। मौसम विभाग के मुताबिक आज हिमाचल प्रदेश के कई भागों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

घाटी में रिकॉर्ड तोड़ सर्दी

जम्मू-कश्मीर में रिकॉर्ड तोर्ड सर्दी पड़ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 23 से 25 दिसंबर तक भारी बर्फबारी की संभावना जताई है। इससे सैलानियों के लिए क्रिसमस पर बर्फबारी सोने पे सुहागा का काम करेगी। कश्मीर का ताज कहे जाने वाले गुलमर्ग में हर साल क्रिसमस और नए साल के मौके पर बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बार सैलानियों को व्हाइट क्रिसमस मनाने का मौका मिल सकता है। गुरुवार को उत्तरी कश्मीर के गुरेज और सोनामर्ग, जोजिला मार्ग पर बर्फबारी से श्रीनगर-लेह एनएच यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। गुलमर्ग में न्यूनतम पारा सामान्य से 5.8 डिग्री गिरकर माइनस 10.0 डिग्री रहा।

प्रधानमंत्री कल करेंगे गंगा एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास

4पीएम न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को शाहजहांपुर के रोजा रेलवे ग्राउंड में गंगा एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर शाहजहांपुर पहुंचेंगे और सवा दो बजे हेलिकॉप्टर से बरेली रवाना हो जाएंगे।

मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे का 52 किलोमीटर का हिस्सा शाहजहांपुर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री की रैली में मुख्य रूप से एक्सप्रेस-वे के रास्ते में आने वाले बदायूं और हरदोई जिले के लोग शामिल होंगे। लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे के किनारे रैली स्थल होने के कारण यातायात दूसरे रास्तों से गुजारा जाएगा। केवल रैली में शामिल होने वाले वाहन ही हाईवे पर चल सकेंगे। गुरुवार को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल की गई। डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लोगों के आवागमन में कोई दिक्कत न हो, इसका पूरा ख्याल रखा गया है।

पंजाब की कांग्रेस सरकार सबसे भ्रष्ट : केजरीवाल

» दिल्ली के मुख्यमंत्री ने चन्नी सरकार को बताया ड्रामेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आगामी पंजाब विधान सभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी जोर-शोर से चुनावी दंगल में उतर चुकी है। पंजाब की कमान संभाले हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की पार्टियों के नेताओं ने तीन लाख करोड़ का कर्ज चढ़ाया है। हमारी सरकार बनने पर हम इनसे सारा पैसा वापस लेंगे। पंजाब में कांग्रेस की सरकार आज तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह लोग कह रहे हैं कि हर महिला को हजार-हजार रुपए देने से सरकारी खजाना खाली हो जाएगा लेकिन जब इन्होंने हजारों करोड़ रुपए लूटे, तब सरकारी खजाना खाली नहीं हुआ? 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपने 25 साल कांग्रेस को दिए और 19 साल अकाली दल को दिए, मैं केवल पांच साल मांग रहा हूं, पसंद नहीं आए तो अगली बार हमें हटा देना। पहले कैप्टन साहब मुख्यमंत्री थे। कैप्टन ने चुनाव में खूब झूठे-झूठे वादे किए। सबको नौकरी दूंगा, लेकिन पांच साल में एक भी आदमी को नौकरी नहीं दी। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा पेंशन बढ़ाऊंगा, लेकिन नहीं बढ़ाया। कर्ज माफ करूंगा, लेकिन एक भी किसान का कर्ज माफ नहीं किया। अब सीएम चन्नी भी नए-नए ऐलान कर रहे हैं। भारत के इतिहास में इससे बड़ी नौटंकीबाज और ड्रामेबाज सरकार हमने नहीं देखी।

तीन सिपाही लाइन हाजिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने तीन सिपाहियों को लाइनहाजिर कर दिया है। थाना सरोजनीनगर के हेड कास्टेबल राम अवतार, कांस्टेबल राहुल सैनी व बंथरा के कांस्टेबल अवनीत कुमार को लाइन हाजिर किया गया है। इन तीनों पर अनुशासनहीनता का आरोप है।

इन तीनों को अपना जवाब पेश करने को भी कहा गया है। इसके लिए पुलिस उपायुक्त ने पत्र भी जारी किया है। इसके अलावा सरोजनीनगर थाने व बीट चौकी में भी बदलाव किया गया है। कई सिपाहियों पर आरोप के चलते इधर-उधर तैनाती की गई है। फिलहाल ज्यादातर सिपाहियों की तैनाती चौकियों में फेरबदल कर की गई है, जिससे उनके आवागमन में कोई परेशानी न हो।

बाराबंकी : पाक्सो एक्ट का आरोपी पुलिस की गिरफ्त से फरार, हड़कंप

» कोर्ट परिसर में सिपाही से की हाथापाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। दुष्कर्म के आरोपी को रिमांड पर लेने के लिए पुलिसकर्मी गुरुवार को न्यायालय में पेश करने जा रहे थे लेकिन कोर्ट परिसर में दो सिपाहियों से हाथापाई कर वह मौके से भाग गया। पुलिस अधीक्षक ने आरोपी को पकड़ने के लिए दो टीमें गठित कर दी है।

मसौली के मो. रशीद पर जहांगीराबाद थाना के एक गांव की नाबालिग बालिका से एक सप्ताह पहले दुष्कर्म करने का आरोप है। उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई थी। तीन दिन पहले पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। रिमांड पर लेने के लिए जहांगीराबाद थाने के सिपाही शिवेंद्र और मो. कासिम गुरुवार को जिला न्यायालय में पाक्सो कोर्ट कक्ष संख्या 44 पर उसको पेश करने के लिए ले गए थे। थानाध्यक्ष दर्शन यादव ने बताया कि जैसे ही सिपाही कोर्ट के अंदर उसे ले जाने लगे कि आरोपी हाथापाई कर भाग गया। सिपाहियों ने उसका पीछा किया लेकिन वादकारियों की भीड़ में वह कहीं छिप गया। सिपाही इधर-उधर तलाश करते रहे। क्षेत्राधिकारी आतिश कुमार ने बताया कि आरोपी कोर्ट परिसर से भाग गया है। उसकी तलाश में क्राइम ब्रांच और जहांगीराबाद थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम गठित की गई है। जल्द ही गिरफ्तारी कर ली जाएगी। वहीं, आरोपित के भागने की जांच शुरू कर दी गई है।

आंदोलन में सहयोग करने वाले किसान होंगे सम्मानित : नरेश टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। गाजीपुर बार्डर से आंदोलन स्थगित होने के बाद बुधवार देर रात भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत सिसौली पहुंच गए। इस दौरान भाकियू अध्यक्ष चौ. नरेश टिकैत ने कहा कि आंदोलन में सहयोग करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। राजनीति में भी जाति-बिरादरी की नहीं किसान-मजदूर की बात होनी चाहिए।

नरेश टिकैत ने कहा कि आंदोलन में जनता का पूरा सहयोग रहा। कृषि कानून को लेकर लंबे चले आंदोलन में सहयोग करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए स्थान व तिथि की घोषणा शीघ्र की जाएगी। गौरतलब है कि भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत 26 नवंबर 2020 को गाजीपुर बार्डर पर धरने पर बैठे थे। उनकी 383 दिन बाद उनके घर मुजफ्फरनगर के सिसौली वापसी हुई थी। वह बुधवार सुबह गाजीपुर बार्डर से रवाना हुए थे। उनके काफिले का सैकड़ों स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया था। देर रात वह सिसौली पहुंचे थे।

केंद्रीय मंत्री टेनी को न हटाना भाजपा को पड़ेगा भारी!

भाजपा के शीर्ष नेता दे रहे हैं संरक्षण, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा पर एसआईटी का खुलासा हो या मीडिया से अभद्रता का मामला केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की चर्चा हर जगह हो रही है। सवाल यह है कि भाजपा सरकार की फजीहत कराने वाले इस मंत्री को पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह अपने कैबिनेट से हटा क्यों नहीं रहे हैं? ऐसे कई सवाल उठे लेखक सीपी राय, प्रोफेसर लक्ष्मण यादव, चिंतक रविकांत, पत्रकार श्वेता आर रश्मि, कांग्रेस प्रवक्ता सृष्टि कश्यप और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

सीपी राय ने कहा, मीडिया के साथ अभद्रता करने के बावजूद भाजपा की ओर से इस पर कोई खेद नहीं व्यक्त किया गया। यह अहंकार की पराकाष्ठा है। यह बेशर्मी है। इसका परिणाम भाजपा को देखने को मिलेगा। टेनी के क्षेत्र में भाजपा अधिकांश सीटें हार जाएगी। पार्टी के शीर्ष नेता खुद कहते हैं कि वे इस्तीफे पर विश्वास नहीं करते हैं। श्वेता आर रश्मि ने कहा, भाजपा में खींचतान चल रही है। किसानों पर गाड़ी चढ़ाने के बाद ही पीएम को मंत्री टेनी का इस्तीफा लेना चाहिए था। हैरानी की बात यह वे मीडिया से भी अभद्रता कर रहे हैं। यह हिम्मत उन्हें पार्टी में चल रही खींचतान से मिल रही है। इसका खामियाजा भाजपा को यूपी चुनाव में उठाना पड़ेगा।

लक्ष्मण यादव ने कहा, भाजपा लंबे अंतराल के बाद यूपी में सत्ता में आयी है। यूपी सांप्रदायिक राजनीति का केंद्र है। लिहाजा भाजपा येन केन प्रकारेण यूपी को जीतने की कोशिश करेगी। ब्राह्मणों भी भाजपा से नाराज हैं।

रविकांत ने कहा, भाजपा के शीर्ष नेता केंद्रीय मंत्री टेनी को बचा रहे हैं। वे योगी आदित्यनाथ के खिलाफ हैं, इसलिए उन्हें ले आया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री खुद तड़ीपार रहे हैं। उग्र व्यक्ति को ही भाजपा में तवज्जो दी जाती है।

सृष्टि कश्यप ने कहा, पीएम मोदी इनको क्यों बर्खास्त करेंगे? जब सीएम योगी ही अपने ऊपर लगे मुकदमों को हटाते हैं तो केंद्रीय मंत्री टेनी को कैसे हटाया जाएगा।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देगी आप : संजय

आप नेता बोले- दो को लखनऊ में होगी रैली, केजरीवाल करेंगे कई बड़े एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसी भी दल से गठबंधन न होने के बाद आम आदमी पार्टी अब अपने दम पर अकेले विधानसभा का चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गई है। पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दो जनवरी को लखनऊ आकर पार्टी के चुनावी अभियान का शुभारंभ करेंगे। इसके लिए पार्टी की ओर से एक रैली का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें केजरीवाल पार्टी की ओर से दूसरी गारंटी के तौर पर बेरोजगार नौजवानों को 5000 रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने और हर साल 10 लाख लोगों को नौकरी देने का एलान करेंगे।

प्रदेश में बेरोजगारी बड़ा मुद्दा

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। सेवा योजना पोर्टल पर 34 लाख बेरोजगार युवकों ने अपना पंजीकरण करा रखा है। इसलिए आप ने इसे बड़ी समस्या मानते हुए बेरोजगारी भत्ता देने का फैसला किया है। आप की सरकार बनी तो 34 लाख बेरोजगारों को भत्ता के रूप में 1700 करोड़ रुपये प्रतिमाह और 20400 करोड़ रुपये सालाना खर्च होगा। इस प्रकार 550 लाख करोड़ रुपए के बजट में से 20400 करोड़ निकालना कोई असंभव काम नहीं है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी जुमला नहीं बोलती, करके दिखाती है। आप पहली पार्टी है जिसने बेरोजगारी भत्ता की घोषणा करने का दम दिखाया है।

यह जानकारी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और सांसद संजय सिंह ने यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दी है। उन्होंने बताया कि पहली गारंटी के तौर पर आप ने प्रदेशवासियों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली व पुराने बकाये बिल को माफ करने और किसानों को मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। अब केजरीवाल बेरोजगारी भत्ता और नौकरी देने की दूसरी गारंटी देकर प्रदेश के चुनावी अभियान का शुभारंभ करेंगे।

उन्होंने प्रदेश के युवकों से आप की सरकार बनाने में जुटने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि आप सरकार बनाते हैं तो नौकरी मांगने पर लाठी नहीं खानी पड़ेंगे। जब तक नौकरी नहीं मिलती है तब तक बेरोजगारी भत्ता मिलता रहेगा। उन्होंने कहा केजरीवाल द्वारा घोषणा किए जाने के बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों में रोजगार गारंटी सभा का आयोजन किया जाएगा।

अवनीश अवस्थी ने कारागार विभाग के कर्मियों को पदोन्नति का दिया उपहार

» यूपी में 47 महिला हेड वॉर्डर समेत 69 कर्मचारियों का प्रमोशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शासन ने कारागार विभाग के कर्मियों को पदोन्नति का उपहार दिया है। 69 हेड वार्डर को डिप्टी जेलर (उप कारापाल) के पद पर प्रोन्नति प्रदान की गई है, जिनमें 47 महिला हेड वार्डर शामिल हैं। जेलों की सुरक्षा-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दृष्टि से यह अहम कदम उठाया गया है। अब प्रदेश में कुल डिप्टी जेलरों की संख्या 281 हो गई है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि उप्र कारागार सेवा संवर्ग में हेड जेल वार्डर के पद पर तैनात 69 कार्मिकों को डिप्टी जेलर के पद पर प्रोन्नत किया गया है। इन सभी को डिप्टी जेलर (वेतनमान रुपये 9300-34800 ग्रेड-पे रुपये 4600, पुनरीक्षित वेतनमान मैट्रिक्स पे-लेवल-7) के पद पर पदोन्नति का आदेश जारी कर दिया गया है। पदोन्नति पाने वालों में विश्वनाथपुरी, अबसार अहमद, हरिप्रसाद मिश्रा, अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, लालचन्द ओझा, राम प्रवेश चौरसिया, मु.एहसान, राम प्रकाश सिंह, महेन्द्र सिंह, लालाराम, उमेश बाबू, जगवीर ड्क्षसह चौहान, मुन्नालाल, पुरूषोत्तम सरन, प्रेम नारायण, श्यामा चरण, आनन्द कुमार, सुरेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार, रंजना शुक्ला, अनीता सक्सेना, मौसमी राय, रीता श्रीवास्तव व कल्पना देवी सहित कई लोग शामिल हैं।

यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य : सहगल

» प्रदेश अब निवेशकों का पसंदीदा स्थान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एमएसएमई खादी एवं ग्रामोद्योग के अपर मुख्य सचिव डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी उत्तर प्रदेश बड़ी छलांग लगाते हुए निवेशकों के लिए दूसरा सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन बन गया है। उत्तर प्रदेश आज वन ट्रिलियन इकोनॉमी वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

सहगल राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में सहकार भारती के अधिवेशन के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। सहकार भारती के 7वें राष्ट्रीय अधिवेशन की पूर्व संध्या पर मेले का उद्घाटन किया गया। मेले का आयोजन 17, 18 एवं 19 दिसंबर को होगा। इस मौके पर सहगल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत परंपरागत शिल्प और हुनर को पूरे विश्व में पहुंचाने का कार्य किया है। सरकार ने प्रत्येक

जनपद के शिल्प और उनसे जुड़े शिल्पकारों को प्रशिक्षण देकर, ऋण वितरण कर और वैश्विक बाजार उपलब्ध करवाकर प्रोत्साहन देने का काम किया। परंपरागत व्यवसाय को आधुनिकता का संबल देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने कारीगरों और उद्यमियों को स्वयं का व्यवसाय खड़ा करने योग्य बनाया। सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश वैद्य ने कहा कि सहकार मेला इसी राष्ट्रीय अधिवेशन का एक हिस्सा है। इसके माध्यम से स्वयं सहायता समूह, सहकारी संस्थाएं और अन्य संस्थाओं के शिल्पकार अपनी कला और हुनर का प्रदर्शन राजधानी लखनऊ में कर रहे हैं।

केजीएमयू में हड़ताल, ओपीडी ठप, मरीज बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीजीआई के समान वेतन भत्ते न मिलने पर लखनऊ केजीएमयू के कर्मचारियों का गुस्सा भड़क उठा है। नाराज कर्मचारियों ने ओपीडी सेवा ठप कर दी है। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा है। केजीएमयू की ओपीडी में रोजाना तीन हजार से अधिक मरीज आ रहे हैं। 4500 बेड हैं। ज्यादातर बेड भरे हैं।

आज नर्सिंग, पैरामेडिकल और टेक्नीशियन समेत दूसरे कर्मचारियों ने पूरी

तरह से कामकाज ठप कर दिया। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा। ओपीडी से लेकर भर्ती मरीजों इलाज हासिल करने में अड़चन आई। जांचें प्रभावित रहीं। केजीएमयू कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष प्रदीप गंगवार ने कहा कि 2000 से अधिक नियमित पैरामेडिकल स्टाफ हैं। 1500 से अधिक लिपिक व दूसरे संवर्ग के कर्मचारी हैं। बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार का समर्थन किया है। सुबह नौ से शाम पांच बजे तक आन्दोलन जारी रहेगा। मरीजों की दिक्कतों की जिम्मेदारी केजीएमयू प्रशासन की है। प्रदीप गंगवार ने कहा कैबिनेट की मंजूरी के बाद जारी शासनादेश अभी तक अमल में नहीं आया। अधिकारी आदेश को लागू करने में हीलाहवाली कर रहे हैं।

फोटो: सुमित कुमार

हड़ताल

राजधानी लखनऊ में बैंक के निजीकरण के विरोध में 2 दिन बैंक कर्मचारी देशव्यापी बैंक हड़ताल पर चले गए। इससे बैंक ग्राहक पूरे दिन परेशान रहे।

भाजपा शासित राज्यों में दिल्ली जैसे आंदोलन की तैयारी में किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। दिल्ली की सीमाओं से भले ही किसान हटकर अपने घरों को वापस चले गए हैं, लेकिन अब दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक में ऐसा ही मोर्चा खुल सकता है। किसानों ने कर्नाटक एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केटिंग कमिटी पर बने कानून की वापसी की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने का फैसला लिया है।

भाजपा शासित राज्य में एपीएमसी कानून में संशोधन के खिलाफ किसान संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। कर्नाटक राज्य रैयत संघ हसिरू सेने नाम के संगठन ने विधानसभा घेरने का ऐलान किया है। वहीं राज्य सरकार ने इस कानून को बनाए रखने का फैसला लिया है और वापसी से इनकार किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।